(c) whether the revived Committee has made any progress; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI BHAGEY GOBARDHAN): (a) Yes, Sir.

(b) The Tripartite DA Committee set up in September, 1988 under the Chairmanship of Labour Minister had several meetings where various aspects of Dearness Allowance Formula were discussed. As the Committee could not come to any conclusion, Government decided that the existing Industrial Dearness Allowance Formula may continue with a revise rate of Rs. 1.90 per point shift with effect from 1.1.89. As there was considerable representation against the decision of the Government, it was decided to revive the Tripartite Committee whose term had expired on 31st March, 1990.

(c) and (d) The revived Tripartite DA Committee has held three meetings so far. The Committee has not finalised its recommendations till now.

Central Investment in States

1466. SHRI E. BALANANDAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what is the total Central Investment in Kerala as on the 31st December, 1989;

(b) what are the States, where the percentage of Central investment has registered a steady growth; and

(c) what are the States, where the percentage has registered a downward trend over a period of three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI BHAGEY GOBARDHAN): (a) to (c) Central Plan investment is made for the country as a whole keeping national priorities in view. These Central programmes/projects in most cases transcend the limits of State boundaries. The fruits of these programmes/projects also get spread all over the country. As such these schemes are not drawn-up State-wise. Hence details of total Central Investment in Kerala as on the 31st December, 1989 are not available. However, estimates of State-wise expenditure of the Central Plan for the Sixth Five Year Plan and the first three years of the Seventh Five Year Plan *viz.*, 1985-86 (Actuals), 1986-87 (RE) and 1987-88 (BE) have been worked out in consultation with the Ministries and are indicated in the enclosed Statement. (*See* Appendix CLV, Annexure No. 47)

दिल्ली में हिन्दी एक वैकल्पिक विषय के रूप में

1467. श्री विश्वासराव रामराव पाटिल: क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में 9वीं तथा 10वीं कक्षाओं में हिन्दी को एक वैकल्पिक विषय बना दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार हिन्दी को 12वीं कक्षा तक एक अनिवार्य विषय बनाने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो कब से और यदि नहीं, तो तत्संबंधी कारण क्या हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता): (क) और (ख) जी, हां। विद्यमान योजना के अनुसार दिल्ली प्रशासन के अधीन स्कूलों में कक्षा 9वीं और 10वीं में हिन्दी वैकल्पिक विषय है, तथापि, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा लागू

की गई अध्ययनों की नई योजना के अनुसार, इन स्कूलों में वर्ष 1991-92 से आगे और कक्षा 10वीं में 1992-93 से आगे हिन्दी शिक्षण अनिवार्य हो जायेगा।

(ग) जी, नहीं।

(घ) भाषा से भिन्न विषयों के लिए दिये जाने के लिए अपेक्षित समय सहित शैक्षिक विचारधाराओं पर सीनियर माध्यमिक स्तर पर हिन्दी को अनिवार्य बनाना उचित नहीं समझा जाता।

श्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष

1468. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उपयुक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष की स्थापना की है ;

(ख) यदि हां, तो उन खिलाड़ियों का ब्यौरा क्या है जिनके आवेदन इस सहायता हेतु विचाराधीन हैं ; और

(ग) इस संबंध में कब तक कोई निर्णय लिये जाने की संभावना है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमन भाई मेहता) : (क) जी हां।

(ख) उन खिलाड़ियों का विवरण जिनके आवेदन पत्र सूचनाओं के अभाव में विचार के लिए लम्बित पड़े है :—

1. श्री भगीरथी सनीनायक—उड़ीसा से पहलवान

2. श्री मोहम्मद उस्मान अली खां—उड़ीसा से एथलीट

3. श्री कृष्ण कुमार—हरियाणा से मुक्केबाज

4. श्री एच.एल० प्रभाकर—कर्नाटक से बास्केटबाल खिलाड़ी

5. श्री राजासाब चांदसाब छप्परबांड—कर्नाटक से शरीर सौष्ठव

6. श्री भीमराव के० देशमुख—महाराष्ट्र से फुटबाल खिलाड़ी

7. श्रीमती जमुना देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री रूप सिंह—मध्य प्रदेश से हाकी खिलाड़ी

8. श्री बुची अलोयास सनकारा कृष्णराव—आन्ध्र प्रदेश से फुटबाल खिलाड़ी

9. श्री एस०ए० नईम—उत्तर प्रदेश से निशानेबाज

10. श्री के.पी० धनराज—आन्ध्र प्रदेश से फुटबाल खिलाड़ी

11. श्री राजीव नय्यर—पंजाब से शतरंज खिलाड़ी

12. श्री सोहन सिंह—पंजाब से भूतपूर्व एथलीट

13. श्रीमती एलीसावा प्रधान पत्नी स्वर्गीय श्री जनर्कांत प्रधान—उड़ीसा से फुटबाल खिलाड़ी

14. श्री सर्जलान पी० रोड्रीग्स—गोवा से बैडमिंटन खिलाड़ी

15. श्रीमती शान्ति देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री प्रहलाद मीणा—राजस्थान से साइक्लिस्ट

16. श्री पी० जार्ज विक्टर—केरल से फुटबाल खिलाड़ी

17. श्री के डी० मोंगु—महाराष्ट्र से पहलवान

18. श्री रवी रामचन्द्र अम्बेडकर—महाराष्ट्र से शतरंज खिलाड़ी।

(ग) सम्बन्धित खेल संघों, राज्य सरकारों और अन्य एजेन्सियों से परामर्श करने के बाद संबंधित आवेदकों द्वारा बताई गई उपलब्धियों के दावों तथा उनकी वर्तमान स्थिति की जांच करने के बाद निर्णय लिया जाता है।